पेयजल परियोजनाओं में कंपनियों को देनी होगी स्थानीय लोगों को नौकरियां, गांवों में रोजगार के साथ शुद्ध पेयजल भी मिलेगा

# बुंदेलखंड व विंध्य में दिसंबर तक मिलेंगे 30 हजार रोजगार

**योजना**

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

राज्य सरकार दिसंबर में बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को शुद्ध पेयजल के साथ ही रोजगार का बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। 'हर घर नल योजना' गांव व कस्बे के लोगों को रोजी-रोजगार से भी जोड़ने जा रही है। पहले चरण में बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में शुरू होने जा रही परियोजनाओं में 30 हजार से अधिक लोगों को संविदा पर रोजगार मिलेगा।

ग्रामीण युवाओं को अब रोजगार उनके गांव और कस्बों में ही रोजगार मिलेगा। जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन के लिए केयरटेकर, फिटर, प्लंबर, मकैनिक और सिक्योरिटी गार्ड रखे जाएंगे। प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना का काम काफी तेजी से चल रहा है। नवंबर के अंत तक जलापूर्ति करने के लिए तैयार हैं। परियोजना पर काम कर रही कंपनियां स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। जलापूर्ति शुरू होने के साथ ही व्यवस्था के संचालन के लिए योग्यता के मुताबिक स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने की योजना है।

योजना में शुद्ध एवं स्वच्छ जलापूर्ति के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों को तैयार कर रही कंपनियां अगले 10 साल तक मेंटीनेंस का जिम्मा भी संभालेंगी। ये कंपनियां योजना के मुताबिक हर जिले में 400 से 500 स्थानीय युवाओं को रोजगार देंगी। स्थानीय लोगों को अपने गांव और कस्बे में ही फिटर, प्लंबर, मकैनिक और सिक्योरिटी गार्ड काम मिल सकेगा। बुंदेलखंड के सात जिलों में ही 2,500 से ज्यादा लोगों को वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों पर रोजगार मिलना तय है।

### बुंदेलखंड

- बुंदेलखंड के झांसी में 1627.94 करोड़ की 10 योजनाएं, ललितपुर में 1623.47 करोड़ की 16 सरफेस वाटर रिसोर्स और 12 भूजल (ग्राउंड वाटर) आधारित पाइप पेयजल योजनाओं और महोबा में 1219.74 करोड़ की योजना चल रही है।

### विंध्य क्षेत्र

- विंध्य क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत 17 परियोजनाओं के तहत कुल 162 पाइप पेयजल योजनाएं निर्माणाधीन हैं। परियोजना से विंध्य क्षेत्र के दो जिलों के आठ तहसीलों, 22 विकास खंडों के 1,236 ग्राम पंचायतों को लाभ पहुंचेगा।